

4-6-25

भाषिबन्दा वादी उपन्यासी। वादीगण
स्वयं उपन्यासी। पत्रावली। धारवादी
सरंदा 01 व 02 की तलब। हेतु विचारार्थ
है। न्यायालय समग्र रजि-रजि कार-कार
अवकाश लगाये जाने पर भी कति उमरिगत
नहीं आये। अतः फरार सरंदा 004/2025
अन्याय सुशीला व म.प. अनाथ राधेश्वरी के
अन्य वकीलवादी की अफर पैरवी। अफर
दाजरी में खारी ली जा सकती है।
पत्रावली नस्ती वन्दे हो। पत्रावली
रायरा पंजीक के क्रम से क्रम की
जाकर निर्णय की सुची में सामील हो।

